Dev Vanee

[2021-22]

Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research

(NCTE Recognized ★ NAAC Accredited)

Bompas Town, Dev Sangha, Deoghar, Jharkhand - 814114

EDITORIAL BOARD

Prof. (Dr.) Bairagi Patra
Professor, DIPSER

Dr.Babita Kumari
Associate Professor, DIPSER

Dr.Kalpana Kumari
Asst. Professor, DIPSER

Dr.Kartik Pal
Asst. Professor, DIPSER

Dr. Amit Bhattacharya (Art & Design)
Asst. Professor, DIPSER

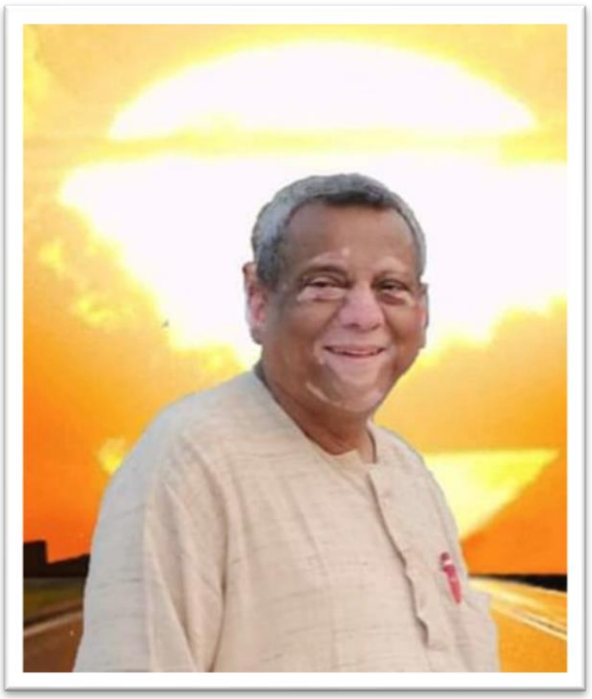

Our Guiding Light

"May the divine Mother manifest in the heart of all student - teachers of the institute and Dev Sangha Institute of Professional Studies and Educational Research emerge as the centre of Excellence."

- Pujya Srimat Saumyendra Nath Brahmachary

Message

Dr. Babita Kumari
Oftg. Principal

With great plesure, we put forward the next dynamic piece of creativity, freedom, self expression, enthusiasm of our work through our annual magazine *Dev Vanee* which is an amalgamation of year-long work of our talented students along with the blend of unique creativity from each one who have contributed for this magazine.

Dev Vanee is our effort to catch the beautiful memories of our students. The literary articles and drawings depict the potential and the hidden talent of our students. I appreciate and thank everyone associated with *Dev Vanee* for rendering their endearing love and We are confident that our students will keep up to our expectations and lead a life filled with energy, creative ideas, efficiency, and positive reciprocation, in all theirendeavours in life.

I hope this venture of ours will find a special place in the heart of the readers. Wishing everyone great success and synergetic life.

Babita
29.09.2022

Dr.Babita Kumari
Oftg. Principal
DIPSER, Deoghar

Ma Saraswait: An Artistic Adoration

Art by Sushama Jha.B.Ed.2020

CONTENT

S.No	Title	Author	Page No.
1.	शक्ति की शक्ति	स्वाति रानी	9
2.	मा	मीरा कुमारी	10
3.	मतदाता दिवस	अनीता मरांडी	11
4.	संघर्ष	पिंकी बेसरा	12
5.	जिंदगी का सफर	शीला मरांडी	13
6.	लड़की	सोनाली	14
7.	नव वर्ष	रूबी कुमारी	15
8.	समझ	निहारिका	17
9.	बसंत ऋतू	मौसमी	18
10.	घमंड़	Beauty झा	19
11.	नारी शक्ति	सोनाली दत्ता	20
12.	बसंत ऋतू	मीनू कुमारी	21
13.	दहेज के दानव को मिटाना है	रूबी कुमारी	22
14.	वीर तुम बढ़े चलो	कबिता कुमारी	23
15.	मैं नीर भरी दुख की बदली	अनामिका	24
16.	सपनों में उड़ान भरो	प्रियंका कुमारी	25
17.	इंसाफ	प्रगति कश्यप	26
18.	बेटियां	सुषमा रानी	27
19.	जुनून	सीमा कुमारी	28
20.	देश के पहरेदार	अंजना कुमारी	29
21.	वजूद	मंडाबी कुमारी	30
22.	हौसला	निधि रानी	31
23.	नयापन	निधि रानी	32
24.	मेरा बचपन	नेहा कुमारी	33
25.	कोशिश करने वालों की	ज्योति कुमारी	34

26.	हम पंछी उन्मुक्त गगन के	चंद्रकला कुमारी	35
27.	कैसे कहुँ युगद्रष्टा, हममें मानवता का अंश	दिशा कुमारी	36
28.	शोर	विदिशा भारती	37
29.	बचपन	प्रियंका रंजन	38
30.	Support CAA	सुषमा रानी	39
31.	संघर्ष ही है सफलता की कुंजी	पूनम कुमारी	41
32.	संघर्ष ही प्रकृत्ति का नियम है	पूनम कुमारी	41
33.	मुनिया की पाठशाला	अनामिका	42
34.	January	Vidhushi Bharti	44
35.	Six Ethics of Life	Aada Hassan	45
36.	My Dream	Supriya Das	45
37.	To My Papa	Vandana	46
38.	The Nature is Beautiful	Sharma Pharheen	47
39.	She Walks in Beauty	Hema Lakshmani	48
40.	Vibrant India	Naman Basu	49
41.	Be the Best One	Akshita Arya	50
42.	Father	Bharti	51
43.	Friendship	Bindu Kumari	52
44.	Art	Manila	53
45.	Thoughts	Kritika Anand	56
46.	Sacrifice	Namita Kumari	57
47.	Importance of Education	Mona Sen	58
48.	Women Empowerment	Shama Pharheen	59
49.	The Importance of Drinking Water	Rajni Kumari	60
50.	Corona Virus	Nini Jha	61
51.	Covid 19 : Impact on Education	Saloni Singh	62
52.	Santhal Tribe Traditional Jewelry	Dular Dorothy	64

The Eternal Fight Between Good And Evil
Kathakali Dance Form from Kerala

Art by Sheetal Kumari, B.Ed. (2020).

[Adapted from Painting of the Famous Painter Jamini Roy]

Art by Pratibha Kumari, B.Ed. (2020)

शक्ति की शक्ति

Swati Rani.
B.Ed-(C),2018-2020

तू शक्ति की साधना कर ।
तू विजय –श्री की कामना कर ।।

तोड़ दे तू सारे आडम्बरों की बेडियाँ ।
हो घोर तिमिर पर तू बॉधाओं को पार कर ।।

तू अटल अंनत है तेरी छवि दिगंत ह ।
तू खूद में पूर्ण रुप है , तू छॉव है, तू धूप ह ।।

तू जो कल्पना करे, नित नई रचना करे ।
आँधियों से भिड़कर और तेज में तपकर ।।

तेरा ह्रदय विशाल है,तू कृपाण तू ढ़ाल ह ।
उठ खड़ी बिगुल बजा, कर तू शंख–नाद कर ।।

तू तपस्विनी, तू मनस्विनी,तू निश्छल,तू सबल ।
तू जननी, तू मर्दिनी, तू सुधा, तू ही गरल ।।

तू लज्जा **को** शक्ति बना, अक्षय का आह्वान् कर ।
नाश कर विकार का ,दुष्ट का संहार कर ।।

तू शक्ति की साधना कर ।
तू विजय –श्री की कामना कर ।।

.....नारी शक्ति को समर्पित.....

माँ

Meera Kumari,
B.Ed 2nd Semester-(2020-2022)

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ,
चलना हमें सिखती माँ,
मंजिल हमें दिखती माँ,
सबसे मीठा बोल माँ,
दुनियाँ में अनमोल है माँ,
खाना हमें खिलाती है माँ,
लोरी गा कर सुलाती है माँ,
प्यारी जग से न्यारी है माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ,
चलना हमें सिखती माँ,
मंजिल हमें दिखती माँ,

———

मतदाता दिवस

Anita Marandi
B.Ed- Semester-I

मतदान है आपका अधिकार क्योंकि है, ये लोकतंत्र की जान
आ गया मतदान का त्योहार।

अबकी बार किसकी सरकार छोड़े ना अपना अधिकार,मतदान कर
चुने अच्छी सरकार।।

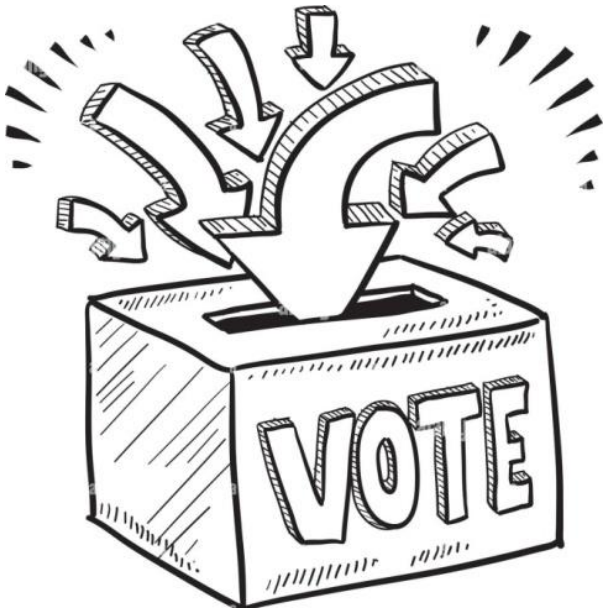

संघर्ष

Pinky Besra,
B.Ed.(B)

कभी जिंदगी ने मेरी ना मानी,
कभी मैंने जिदंगी की ना मानी।
दौर ये आया कि संघर्ष के साथ लाया।।
जिंदगी कहती रही मेरे साथ चलो,
मैंने हँस कर टाला और कहा।
मेरे दोस्त बदल गये हैं, अब मंजिल वो नहीं रहे।।
जिंदगी ने कभी मेरे साथ संघर्ष किया,
कभी मैंने जिंदगी के साथ।
वक्त की ऑधी ऐसी आयी , बदलाव का दौर साथ लायी।
बदले हुए अंजान रास्ते हैं,
इन रास्तों पर अकेले चलना है।
लड़खड़ये कदम तो खुद ही गिरना है,
और खुद ही संभलना है।।
बस यूँही अब आगे बढ़ना है, गिरना और संभलना है।
संघर्ष ही तो जीवन है, जीवन ही तो संघर्ष है।।

जिंदगी का सफर

Sheela Marandi
Class-B.Ed.Sem.-II, Section- B

क्यों रुक जायें,क्यों थम जायेंघ
जब निकलें हैं सफर में ,
जो सोचा था, जो चाहा था,
क्यों भूल जायें?

आखिर कब वादा किया था,
परिस्थितियों ने हमारे अनुसार चलने का,
जो अब प्रतिकूल है परिस्थितियां
इन छोटी बाधाओं सें क्यों डर जाएं,
सपने हमारें हैं तो पुरा भी हम करेगें,
जब जाकर लोगों के हंसने से
हार मान कर डर जाए?

थक कर हार माननं वाले योद्वा नहीं होते,
जो वीर होतें हैं वो ये सोचा नहीं करतें,
और रुक जो जातें हैं, कहों क्या लक्ष्य को पातें हैं ?
फिर अपने लक्ष्य को हम क्यों भूल जाएं ?

अब जो निकले ही हैं सफर में,
क्यों थक जाएं, क्यों थम जाएं, क्यों मुड जाएं ?

लड़की

Sonali Kumari
D.E.I.Ed.-IInd year, Roll No.-19

लड़की है देश का मान, बढाती वह राष्ट्र की शान।
उड़ने दो उसे पंख फैलाकर, मरने ना दो उसे दम तोड़कर।।
लड़की होती है खुशीयों का ठिकाना, लड़कों से उसे कम न समझना।
देखने दो उसे भी दूनियां, चाहती है बस, थोडा प्यार वह सुनीया।
वह लाती है हॅसी दुनियॉ में , खुद करती है संघर्ष जीवन में।
ईश्वर की मूरत है वो , तुम भी नहीं होते, गर ना होती वो।
लड़की से ही जग सारा, जो ये बात नही मानी, कैसे मिलेगी तुमको मॉ और नानी।
जब मरती है एक लड़की तो, मरतें हैं कई परिवार, जब जन्म लेती है वो तो जन्म लेता है, संसार ।।

नव वर्ष

Rubi Kumari
B.Ed. 'D'-2nd Year, 2018-19

देखो नव वर्ष फिर आ गया।
2020 का यह दिन नवीन।।
2019 हो गया प्रवीण।
गीत नया कोई गा गया।।
देखो नव वर्ष फिर आ गया
नया साल का नया दिन।
दुनिया भी है कितनी रंगीन।।

नया शॉल दुनिया ओढ़ लिया।
देखो नव वर्ष फिर आ गया।
उपर खुला आसमॉ मुस्कुरा रहा है चन्द्रमॉ।
धरती प्रकाश से भर दिया।
देखो नव वर्ष फिर आ गया

Blossoming Flowers

Art by Rekha Kumari, B.Ed. (2020)

समझ

नाम– निहारिका
क्रमांक–24

काश ये सब में होती।
समयानुसार आती और रहती।
समझ तू, देर न कर,
हर पल–पल में कुछ
जाने क्या होगा आगे
कोई न जाने समझ
समझ आ जा तुझ में भी
दुनिया बढ रही है बस एक तु समझ न पाया, किनारा नदी को रास्ता भी स्वयं ढूँढने होतें हैं।
तू समझ क्यों बहरा बन बैठा,
सब्र में अब कुछ नहीं ,
सब्र कीहद होती है,
नदी बन तू , रास्ता स्वयं ढूँढ
समझ ला, कोई साथ न तेरा
आज आगोश में सभी
तुम्हारी नैया पार कैसे होगी
तुम मझधार से पार कर
समझ कर आगे बढ
बंद रास्ता की तरह मत बैठ,
तू नदी की तरह बहता रह
समझ बढा खुद की।

बसंत ऋतू

Mausami Kumari
D.El.Ed.-2nd Yr, (2018-2020)

फिर बंसत की आत्मा आई,
मिटे प्रतिक्षा के दुर्बल क्षण,
अभिवादन करता भूखा मन!
दीप्त दिशाओं के वातायन,
प्रतिसांस सा मलय समीरण,
चंचल नील नवल भू यौवन,
फिर बंसत की आत्मा आई,
आम्र मौर में गूंध स्वर्ण कर्ण,
किंशुक को कर ज्वाल वसन तन!

देख चुका मन कितने पतझर,

ग्रीष्म, शरद, हिम पावस सुंदर,

ऋतुओं की ऋतु यही कुसुमाकर,
फिर बंसत की आत्मा आई,
विरह मिलन के खुले प्रीति व्रण,
स्वमों से शोभा प्ररोह मन!
सब युग सब ऋतु थी आयोजन,
तुम आवोगी वो थी साधन,
तुम्हें भुल कटते ही कब क्षण !
फिर बंसत की आत्मा आई,
देव, हुआ फिर नवल युगागम,
स्वर्ग धरा का सफल समागम!

———

घमंड़

Beauty Jha
B.Ed, Sec-D,2018-20

किस बात पर घमंड है ?
मैं पूछती हूँ जमाने से।
एक दिन अस्थी मेरी भी जलेगी,
जनाजा तुम्हारा भी उठेगा,
सहरा चाहे बांधे न बांध
मरना सभी को पड़ेगा
फिर किस बात पर घमंड है?
मैं पूछती हूं जमाने से
कंधे की जरूरत दोनों को पड़ेगी
कोई श्मसान जाएंगे कोई असमशान
लापता है कभी-कभी
यह सारी दुनिया ही कब्रिस्तान से भरी है
फिर किस बात पर घमंड है
मैं पूछती हूं जमाने से
एक दिन तुम भी जाओगे और हम भी
फिर किस बात पर घमंड है
मैं पूछती हूं जमाने से तू बुझते दिए की तरह मत जल,
लपटें बहुत तेज होती है
जरा गौर से देखो इसको
इसमें भी लाशों के ढेर होती है
फिर किस बात पर घमंड है I

नारी शक्ति

Sonali Dutta
B.E d 2nd yr, section –A

लोक लज्जा की ले मशाल
आत्मरक्षा की तलवार
कर में तू संभाल
दहाड़ मार तू शेरनी,
कि कांप जाए जग संसार।
दुर्गा की परछाई ,
काली तुम में समाई
जागृत कर अपने स्वरूप को,
कि खौफ जाए दानव,
देख तेरे विकराल रूप को।
तू डरती,वो डराते
तू झुकती ,
वो झुकाते,
तू जीवित है,
तू मिट्टी ना बन ,
बन तू ऐसी वीरांगना ,-
अब लड़ने की बारी तेरी आई।
तू रहमत चुप,

अब चुप रहने की नहीं है बारी ।
लड़ उनसे जिन्होंने तेरी दामन में दाग लगाई,
हो उठ खड़ी ,
बतादे संसार को ,
तू है तो ये दुनिया है सारी
तू है तो ये दुनिया है सारी |

बसंत ऋतू

Minu Kumari
B.Ed 2nd year, (2018-20)

आई बसंत
हर जुबां पर है छाई ये कहानी, ।
आई बसंत की ये ऋतु मस्तानी ।।
दिल को छू ले जाए मस्त झोका पवन का
मीठी धूप में निखर जाए रंग बदन का ।
गायें बुजुर्गों की टोली जुबानी ।
आई बसंत की; ऋतू मस्तानी ।
झूमे पंछी कोयल गाये ।
सूरज की किरणें हंसती जमीनहलाये ।
लोग दोनों पहर की समां रुहानी ।
आई बसंत की यह ऋतु मस्तानी ।।
टिमटिमायें खुशी से रातों में तारे।।
पिली फसलों को नहलाये दूधिया उजाले
गाते जाए सब डगर पुरानी ।
आई बसंत की यह ऋतु मस्तानी ।।

दहेज के दानव को मिटाना है

Rubi Kumari,
B.E d 2nd.yr.Sec –D

दहेज का दानव मुझे क्या अपनायेगा ।
शादी जैसा पवित्र बंधन को भी ठुकराएगा ||
पहले मेरे घर पर बारात लेकर आएगा ||
शादी करके मुझे अपने घर ले जाएगा ।
कुछ दिनों तक मेरे संग हंस-हंसकर बिताएगा।।
बाद में हर पल मुझे खून के आंसू रुलाएगा |
मुझे मायके दौड़ाएगा ।
सामान न मिलने पर अपनी मां
और बहन से मुझे गाली सुनवाएगा |
कल तक जो दिखावा था,
मेरे संग प्यार का |
वह नफरत में बदल जाएगा |
बिना किसी गलती के मुझे मारेगा एपिटेगा और रुलाएगा ||
इस पर भी यदि चैन न मिला तो एकदिन ऐसा भी आएगा |
जब मुझे दहेज का दानव ,
मेरे मायके भिजवाएगाद्य
यह देख मेरा मां-बाप जीते जी मर जाएगा |
भगवान जाने हर नारी की जिंदगी में वह दिन कब आएगा |
जब इसे सम्मान भरी निगाहों से देखा जाएगा और हर मर्द बिना दहेज, उसे अपनाएगा |
तब जाकर दहेज का दानव मिट जाएगा||

वीर तुम बढ़े चलो

Kabita Kumari
B.Ed.2nd.Sec-B

वीर तुम बढ़े चलो धीर तुम बढ़े चलो,
हवा में ध्वजा रहे, बाल दल सजा रहे,
ध्वजा कभी झुके नहीं, दल कभी रुके नहीं |
वीर तुम बढ़े चलो ,धीर तुम बढ़े चलो |
सामने पहाड़ हो सिंह की दहाड़ हो,
तुम निडर डरो नहीं तुम निडर डरो वही |
वीर तुम बढ़े चलो धीर तुम बढ़े चलो ||
प्रातः हो की रात हो संग होना साथ हो,
सूर्य से बढ़े चलो चंद्र से बढ़े चलो|
वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो||
एक ध्वज लिए हुए, एक प्रण किए हुए,
मातृभूमि के लिए,पितृभूमि के लिए|
वीर तुम बढ़े चलो,धीर तुम बढ़े चलो||
अन्य भूमि में भरा वारि भूमि में भरा,
यत्न कर निकाल लो, रत्न भर निकाल लो|
वीर तुम बढ़े चलो धीर तुम बढ़े चलो||

मैं नीर भरी दुख की बदली

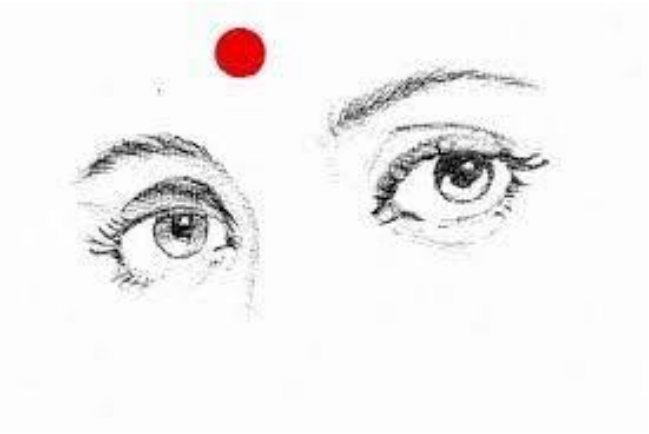

स्पंदन में चिर निस्पंदन बसा,
कुंदन में आहत विश्व हाँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झकी मचली |
मेरा पग पग संगीत भरा ,
सांसो में स्वप्न पर|ग भरा|
नभ के नव रंग बुनते दुकूल|
छाया में मलय बयार पली |

सपनों में उड़ान भरो

Priyanka Kumari
D.EL.Ed.Roll- 41

कुछ काम करो ना मन को निराश करो,
न पंख होंगे मजबूत,
तुम सपनों में साहस भरो,
गिरोगे लेकिन फिर से उड़ान भरो ,
सपनों में उड़ान भरो||
तलाश करो मंजिल की ना व्यर्थ जीवन दान करो,
जग में रहकर कुछ नाम करो ||
अभी शुरुआत करो,
सुयोग बीत ना जाए कहीं, सपनों में उड़ान भरो |
समझो खुद को, लक्ष्य का ध्यान करो ,
यूं ना बैठ कर बीच राहमें मंजिल का इंतजार करो,
संभालो खुद को यूं ना विश्राम करो, सपनों में उड़ान भरो ||
उठो चलो, आगे बढ़ो मन की आवाज सुनो,
खुद के सपने साकार करो,
अपना भी कुछ नाम करो,
इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करो,
सपनों में उड़ान भरो |
बहक जाएं गर कदम ,
तो गुरु का ध्यान करो ,
तुम पा ना सको ऐसी कोई मंजिल नहीं,
हार जीत का मत ख्याल करो,
अडिग रहकर लक्ष्य का रसपान करो,
सपनों में उड़ान भरो ||

इंसाफ

Pragati Kashyap
B.Ed. IInd year

नहीं लिखूंगी या बोलूंगी कि चाहेये मुझे इंसाफ ,
क्योंकि मानवता का अंत हो चला यह बात तो हो गई साफ,
क्योंकि हर बार दरिंदगी भूल चले हम,किया गुनाहगार को माफ |

बस कर दे अबढोंग तू तू अरे ओ इंसान,
जलती मोमबत्तियां और इंसाफ के नारा से थक गए हैं अब ये कान,
क्यों कुछ बोल नहीं रहा है आज तू भगवान,
है संकट में यह काया तेरी, हर दिन नुमाइश हो रही है, इसकी आन
है बेटी वो किसी की है नन्ही सी जान |

क्यों खींची सीमाएं तूने हमारे लिए, और खुद तोड़ी,
मर्यादा खुद के कह के साक्षात्कार ,
साफ कर अपने आंखों की धुंध, बंद कर यह दुष्कर्म,
क्या सिर्फ द्रोपदी की लाज बचाना था तेरा धर्म और अब हर अबला सहे दुष्कर्म |

क्यों एहसास हो रहा है कि बेटी होकर कर दिया है मैंने कोई गुनाह,
क्यों डराती है हर गली, हर रास्ता, हर राह|
आज मेरे साथ हुए पाप का कर तू हिसाब,
क्यों चीख रही है मेरे बंद होठों की यह किताब !

बेटियां

Sushama Rani
B.ED.2 yr.,Sec.-B, 2018-20

यह तितलियां जो आज भी रंगों की कायल है |
उतनी ही ये बिंदी से और कुमकुम से घायल है||
देखा है मैंने झांक कर हां रूह में उसकी|
जमाने दौर के श्रृंगार में बेजार काजल है||
जरा देखो कभी चलकर के बेटियों की राहों में|
पड़े मालूम के उनके हर एक खेमे में दलदल है ||
यह कैसा दर्द सहती हैदहजों की यहाँ बेटी |
के जाए टूट या झनके बड़ी लाचार पायल है||

जुनून

Shima Kumari,
B.Ed.Sec.(D). 2018-2020

मुट्ठी में कुछ सपने लेकर
भरकर जेबों में आशाएं
मेरे दिल की अरमान यही
कुछ कर जाए कुछ कर जाए|
सूरज सा तेज नहींहूँ मैं
दीपक सा जलता रहता हूं||

अपनी हद रोशन करने की खातिर
दिनों -रातों में लड़ता हूं
मैं उस माटी का वृक्ष नहीं
जिसको नदियों ने सीaचा है|

बंजर माटी में पलकर मैंने कामयाबी की और कदम [khapk है |
शीशे पर लिखी इबारत नहीं, मैं पत्थर पर लिखी इबारत हूं,
चाहो घीस लो तुम सौ बार मिटने वाला मैं नाम नहीं.....
मिटने वाला मैं नाम नहीं.....

देश के पहरेदार

Anjana Kumari,
D.El.Ed. 2nd Year

सरहद के रखवालो को
इस देश के पहरेदारों को दिल से मेरा सलाम है|
ये देश चैन से सोता है
वो पहरे पर जब होता है
जब आंख उठाता है दुश्मन
तो अपनी जान वो खोता है,
उनकी वजह से आज सुरक्षित
यह सारी आवाम है
दिल से मेरा सलाम है|
काम नहीं आसान है ये
दिल पत्थर करना पड़ता है
देश या फिर घर बार में से
किसी एक को चुनना पड़ता है
दिल से मेरा सलाम है |
गर्मी का हो मौसम या फिर
पड़ती कड़क सी सर्दी हो
सेवा में देश की खड़े रहे वो
वह जब तक बदन पर वर्दी है
डरे कभी ना वैरी से चाहे जो भी अंजाम है,
देश सेवा ही धर्म उनका,
हथियार ही बस उपदेश है
दिल से मेरा सलाम है, मेरा सलाम है|

वजूद

Mandabi Kumari
D.El.Ed. 2nd Year

गर जीनी है जिंदगी तो इरादे मजबूत कर
दुनिया की छोड़ पहले खुद की वजूद कर
मिली है जिंदगी तो जी कर ही जाएंगे
जीवन से मरण का सफर तय कर ही जाएंगे
जी ले हैं ऐसे ही मरने से पहले एक आंख ना रह जाए
कि काश यह कर लिया होता
जीवन में ऐसा लगे कि मैंने यह कर लिया
जीवन मेंठान हां कुछ ऐसा कर गुजरने की
कि दुनिया तेरे वजूद से जाने तेरे अपनों को तेरे सपनों को
तुझ में वह हिम्मत और हौसला मैंने देखी है
बस उसे देख ले कि दीवाने की तरह
फिर यह दीवानगी कहां ले जाएगी
उस शिखर का नाम तेरे नाम होगा
जिस शिखर पर यह मुझे ले जाएगी
छू ले कुछ ऊंचाई को एक मौका मिला है
गर गवा दिया इस मौके को तो
जीवन के अंतिम क्षण बस पछताएगी |

हौसला

Nidhi Rani
D.El.Ed. 2nd Year

कमजोर दिल हैवो,
जो शहरों की तलाश करते हैं,
वैशाखियॉ बना बहानों की
मदद की फरियाद करते हैं|
टूट कर बिखर जाते हैं
अक्सर ठोकरों से,
जो बता खुद को मजलूम
बर्बाद किया करते हैं |
गर जीना जीनी है शान से
तो सीना तान लेए
कर मजबूत हौसला काबिलियत अपनी पहचान ले|
ऊंचाइयों पर जाने वालों का
ये दुनिया इस्तकबाल करती है ,
पहुंच जाए तो बुलंदियों पर
ए "गुमनाम " ये यह झुक झुक कर सलाम करती है |

नयापन

Niddhi Rani
D.El.Ed. 2Ndyear

नये साल में,

नया क्या होगा ?

पूछती है जिज्ञासा …..,.

नया रूप ,

नया रंग ,

नये लोगों का नवल संग,

या

नई सुबह

नई किरण

नये दिन या ,

जिंदगी की कतरन ,,,,,,,,,,,,,,,,

पूछती है बेटियां

किस-किस में होगानयापन किस-किस में होगा अपनापन

क्या नयी हवा,

करेगी उनकी

चीखों का वहन,

क्या नई उषा के साथ बदलेंगे पुरुष भी,

पुष्पों की कोमलता के लिए

त्यागेंगे अपना पौरुष भी?

मेरा बचपन

Neha Kumari.
D.El.Ed. 2nd Year

वह बचपन का जमाना था ,
जिस मैं खुशियों का खजाना था
चांद को पाने की चाहत थी लेकिन,
दिल तितली का दिवाना था |
वह कोमल की कुहु वो चिड़िया का गाना
वह नदियों में नहरों में गोते लगा ना
वो बसंत की हवाएं वो गर्मी का मौसम,
आम अमरूद के पेड़ों पर डेरा जमाना|
वो रंग बिरंगी पतंगे उड़ाना,
पतंगों के पीछे मीलों भाग जाना
पतंगों सा उड़ने की चाहत थी लेकिन
जब उड़ने लगे हुआ बचपन बेगाना|
वह बारिश के पानी में ठुमके लगाना
स्कूल ना जाने का मिलता आसा बहाना
वक्त भी रोक पाते मिट्टी के लांघ अगर
रोक लेते वो बचपन,वो गुजरा जमाना|

“कोशिश करने वालों की”

Jyoti Kumari
D.El.Ed. 2nd Year

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती ,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती |
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर फिसलती है
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है||
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है ,
चढ़कर गिरना गिरकर चढ़ना ना अखरता है |
आख़िर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती ,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती |
डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है,
जा जाकर खाली हाथ लौटकर आता है,
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में,
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में|
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती ,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती |
असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो |
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़ कर मत भागो तुम|
कुछ किए बिना ही जय जय कार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती|

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

Chandrakala Kumari
D.El.Ed. 2nd Year

हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्व न गा पाएंगे ,
कनक तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएंगे|
हम बहता जल पीने वाले
मर जाएंगे भूखे- प्यासे,
कहीं भली है कटुक निबोरी
कनक- कटोरी की मैदा से|
स्वर्ण श्रृंखला के बंधन में
अपनी गति, उड़ान सब भूले ,
बस सपनों में देख रहे हैं |
तरु की फुनगी पर के झूले!
हम पंछी उन्मुक्त गगन के
पिंजरबद्धन गा पाएंगे,
कनक-तीलियों से टकराकर
पुलकित पंख टूट जाएंगे|

“कैसे कहुँ है युगद्रष्टा, हम में मानवता का अंश है”

Disha Kumari
B.Ed.

चहुंदिश हाहाकार है. मानवता शर्मसार है-
प्रदूषण का साम्राज्य हैए
आतंकवाद का आलम है
कैसे कहूं हेयुगद्रष्टा हम में मानवता का अंश है ६
बेरोजगारी का तांडव नृत्य है
अशिक्षितों का भरा बाजार है
मां बहनों की अस्मिता दांव पर है
कैसे कहूं है युगद्रष्ट हम में मानवता का अंश है६
हम व्यथित हैंए निस्सहाय हैं
कायरताएनृशंसताऔर व्यभिचारहै
वसुधैव कुटुंबकम मात्र कल्पना है
भाई -भाई में बंटाधार है
कैसे कहूं हेयुगद्रष्टा हम में मानवता का अंश है ६
जहां देश- विदेश के शिक्षार्थी आते थे विद्या अर्जन को
सात -समंदर पार भी आते थेस्वास्थवर्द्धनको
आर्यभट्ट देते विश्व को ज्ञान सूर्य के घूर्णन को
वहीं चरक के पास मरीज आते थे संघर्ष परिभ्रमणको
कैसे कहूं हेयुगद्रष्टा, हम में मानवता का अंश है६
आज हमारी पूछ- विश्व मेंए रंज मात्र भीशेष नहीं
हम सोच नहीं पाते आजएक्यों परछाई भी साथ नहीं
देश को अग्रणी बनाने में कुटिलता कभी साथ देती नहीं
इर्ष्या,द्वेष संकीर्णता से कभी कोई आगे बढ़ा नहीं
कैसे कहूं हेयुगद्रष्टा, हममें मानवता का अंश नहीं|

शोर

Bidisha Bharati
B.Ed., IInd year

कुछ बचपना दुहराने लग जाऊँ
जब तक कि कमाने लगजाऊँ
अभी बची है आवारगी अपनी
सोचती हूं घर सजाने लग जाऊं
थोड़ी फिक्र जरूर है कल की
तो क्या हाथ दिखाने लग जाऊं
चेहरे पर हँसी ज्यादा दिल में कम है
दिल करता है दिल की सुनने लग जाऊं
बकायदा शोर मेरे दिल में भी है
जरूरी नहीं की चिल्लाने लग जाऊं|

बचपन

Priyanka Ranjan
B.Ed. IInd Year

एक बचपन का जमाना था,
जिस में खुशियों का खजाना था
चाहत चांद को पाने की थी
पर दिल तितली का दिवाना था
खबर ना थी सब कुछ सुबह की
वह शाम का ठिकाना था .....
थक कर आना स्कूल से ,
पर खेलने भी जाना था
मां की कहानी थी,
परियों का फसाना था ,
बारिश में कागज की नाव थी
हर मौसम सुहाना था |
वो राजा, मंत्री, चोर, सिपाही वो कैरम की गोटी,
वो छुपन- छुपाई,वो नदी -पहाड़
कट जाती थी जब पतंग दौड़
आज भी मन को खूब ललचाती
हाययें बचपन के खेल में
मैं अभी हूँ डूब जाती
काशसमय फिर लौट आजाए
काश हम कर फिर बच्चे बन जाए|

"SUPPORT CAA"

Shuasma Rani,
B.Ed. Sec-B,2nd yr, 2018-20

नया हर बार आता है नया कुछ भी नहीं लाता|
ये नव वर्ष के जुमले बहुत बेकार लगते हैं ||
कर कुछ नहीं सकते बजाय सर पटकने के
थे बेबस पहले हम अब भी बहुत लाचार लगते हैं||
कई कुछ बात थे हमको हमेशा ख्वाब लगते थे
अभी सड़कों पर देखो जाकेवे साकार लगते हैं|
कोई कहता है खतरा है कोई कहता है भलाई है
हमें दोनों के ही दोनों भ्रष्टाचार लगते हैं ||
भाई तुम क्यों परेशान हो हमारी बात सुनकरके
तुम्हें क्या हम किसी लहजे से भी सरकार लगते हैं||
जरा ठहरो मेरे भाई कुछ लम्हे बीत जाने दो
कुछ एक मसले समझाने में ही दिन -चारलगते हैं ||
वजह तुम्हीं बताओ क्या वजह एककौम रूठी है
क्यों हर जगह जलते हुए बाजार लगते हैं ||
बता क्या हो गया है देश के इनकर्णधारों को
जरा देखो इन्हें आतंक के सरदार लगते हैं||
बचाने निकले हैं देश ,बसें, कारेंजला कर के
सभी झूठे सभी जाली सभी मक्कार लगते हैं ||
खुदाया तू बता इस देश का अब हश्र क्या होगा
जहां रक्षक सभी नकली के ही किरदार लगते हैं||
नया हर बार आता है नया कुछ भी नहीं लाता
ये नववर्ष के जुमले बहुत बेकार लगते हैं ||

Art by Sushma Jha, B.Ed. (2020)

संघर्ष ही है सफलता की कुंजी

Poonam Kumari
D.El.Ed. 2nd Year

"जितना कठिन संघर्ष होगा , जीत भी उतनी ही शानदार होगी"

संघर्ष!यह एक ऐसा अनुभव जिससे शयद ही दुनियां का कोई व्यक्ति वंचित हों। हमें बचपन से सीखया जाता है कुछ भी पाने के लिए संघर्ष करना ही पड़ता है । बिना इसके कभी कुछ हासिल नहीं होता। समाज में प्रतिष्ठा ,नाम, शोहरत, रुपया–पैसा, तरक्की या फिर पढाई में अव्वल होना हो, चाहें जो भी लक्ष्य हो उसे प्राप्त करना बिना संघर्ष के संभव नहीं।

संघर्ष ही प्रकृत्ति का नियम है–

Poonam Kumari
B.Ed.,Sec-'D'

एक छोटा बच्चा पेड पर एक तितली के खोल को देखता है। बच्चे को तितली पर दया आ रही थी क्योंकि तितली खोल से बाहर आने के लिएबार-बार संघर्ष कर रही थी। बच्चे ने तितली की मदद करने की सोचकर उस खोल को तोड दिया और तितली को बाहर निकाल दिया ,लेकिन तितली कुछ देर में ही मर गई।

बच्चा उदास हो गया और समझ नहीं पा रहा था कि तितली कैसे मर गई और उसने अपनी माँ को सारी बात बताई। माँ ने कहा –संघर्ष ही प्रकृत्ति का नियम है और कोनून से निकलने के लिए तितली को जो संघर्ष करना पड़ता है उससे उसके पंखों शरीर को मजबुती मिलती है। बेटा तुमने तितली की मदद कर के उसे संघर्ष करने को मौका नहीं दिया जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

****

मुनिया की पाठशाला

मुनिया की मां ने मुनिया से गुस्से में कहा कितनी देर हो गई है भैया के जूते क्यों नहीं पॉलिश कर रही तू उसे स्कूल जाने में देर हो रही है।मुनिया की आंखों में आंसू आ गए मां की डांट से ज्यादा दुख उसे अपने छोटे भाई राजू के साथ स्कूल जाने का नहीं था द्यवह कुछ कहती इससे पहले ही उसकी मां फिर बोली जल्दी से जूते पॉलिश कर दे वरना मेरे लाडले बेटे को स्कूल के लिए देर हो जाएगी मुनिया दौड़ती हुई गई और खटिया के नीचे से राजू के काले जूते ले आए पॉलिश की डिब्बी खोलते हुए अपनी मां से बोली.ष मां क्या तुम मुझसे प्यार नहीं करती उसकी मां मुस्कुराते हुए बड़े प्यार से उसे देखते हुए बोली अरे क्यों नहीं करती तू मेरी लाडो रानी हैष्द्य मुनिया मां के प्यार से भरे बोल सुनकर खुश हो गई और दुगनी मेहनत से जूते पॉलिश करते बोली तो मां मेरा भी मन पढ़ाई करने को करता है मुझे भी स्कूल भेज दो ना यह सुनते ही मानो उसकी मां ;मालतीद्ध को करंट लग गया द्यउसे लपक कर राजू के जूते मुनिया के हाथ से लिए और उसे पहनाने लगी दुनिया की आंखों में आंसू आ गए सभी राजू बोला मां भेज दो ना दीदी को भी स्कूल मैं चाय रोज रोती है मेरे स्कूल जाते समय राजू को मुनिया के का साथ देते देखभाल सी चीख पड़ी और बोली मैंने आज तक पड़ताल पाठशाला का मुंह देखा क्या तुम्हारी नानी दादी गई तभी पढ़ने और तो और पूरे गांव में कोई भी औरत ना आज तक स्कूल के अंदर पैर तक नहीं धराद्यष राजू धीरे से बोला सकूल नहीं मांए स्कूल३३३हां हां वही. अब ज्यादा देर मत करो चुपचाप स्कूल जाओ उसकी मां ने मुनिया से कहा सुनो मुनिया राजू का हाथ मत छोड़ना और सकूल के अंदर तक छोड़ कर आनाद्य मां के स्कूल बोलने पर राजू हंस दिया तो मुनिया भी अपने सामने के दो टूटे दांत को दिखाते हुए मुस्कुरा उठीद्य रास्ते भर मुनिया को अपनी किताबों और दोस्तों और स्कूल के बारे में बताता रहा बातों ही बातों में कभी स्कूल आ गया वह जान ही नहीं पाया द्य सभी बच्चे बस्ता टांगे स्कूल के गेट के अंदर जा रहे थे जिन्हें देखकर मुनिया का मन हुआकि वह भी दौड़ती हुई अंदर चली जाए और फटाफट सब कुछ याद करके मास्टर साहब को सुना दे पर तो उदय पर तो उदास नजरों से अंदर जाते बच्चों को ही देखते रही द्य राजू मुनिया का दुख समझ गया इसलिए तुरंत बोला दीदी तुम घर जाओ अब मैं चला जाऊंगा ठीक है मुनिया धीरे से बोली और स्कूल की तरफ देखते हुए सड़क पर पड़े कंकरों को पैरों से उछाल ती हुई घर की तरफ चल दीद्य घर पहुंचने के बाद वह अपने पास पड़ोस की सहेलियों के साथ खेलने में व्यस्त हो गई द्यदोपहर में जब राजू ने स्कूल से लौटने के बाद खाना खाया और अपनी किताबें लेकर बैठा तो हमेशा की तरह मुनिया भी उसके पास जाकर बैठ गईद्य रंग-बिरंगे चित्रों से सजी किताबों को देखकर मुनिया राजू से बोलती मेरा भी बहुत मन करता पढ़ाई करने काद्य फिर राजू बोला “मुनिया तुम मेरे साथ चुपके से चलो पढ़ाई करने” दोनों चोरी-छिपे स्कूल जाते हो वापस आते तो दोनों साथ में मन लगाकर पढ़तेद्य मुनिया सारे परीक्षाओं में टॉप करती गई द्यजब उसकी मां ने सुना कि उसका उसकी बेटी पूरे स्कूल में टॉप की है तोए वह मुनिया को भी स्कूल भेजी आज आज मुनिया गांव में शिक्षिका है द्यमुनिया का एक ही सोच है गांव में सभी बच्चोंअर्थात लड़का हो या लड़की सभी को समान शिक्षा मिलनी चाहिए मुनिया मुफ्त में गांव की सभी लड़कियों को पढ़ाती |

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि शिक्षा सभी के लिए जरूरी है इस गांव में एक मुनिया पड़ी तो पूरे गांव का को साक्षर बनाई धीरे-धीरे पूरा गांव विकसित होगा तभी तो हमारा भारत विकसित होगा |

Women Empowerment

Art by Rozy Sweta Murmu,B.Ed.2020

JANUARY

Vidhushi Bharti
B.Ed. 2nd year,Roll No-193

Across the entire north India,
Winter claws its hold in January.
The south at last has weather,
that resembles cold in January.
Time slips through our fingers like,
running water as well as age.
Without elan, the lived years quickly grow alike,
and disappear like forwarded messages.

Good habits shouldn't wait to be rolled,
With old beside the young, its time to be bold,
January is the beginning month with new hopes and challenges,
to be taken oath to achive the goal of life.

****

Six Ethics Of Life

Aabada Hassan
B.Ed. 2nd year.

- Before you pray, -Believe
- Before you speak, -Listen,
- Before you spend, -Earn
- Before you write -Think
- Before you quit, -Try
- Before you die -Live

My Dream

Supriya Das
B.Ed.

Never act like a failure,
but rise to be a warrior ,
don't go down your hope,
still you've lots of scope.
Every malady has its cure,
but your heart should be pure,
If your determination is true,
then whole universe can't break you.
I am always with you in every situation,
acquaint with me without any hegitation,
from me we will be never apart,
you will live forever in my heart.
Life is a battle field ,
you have to fight till the end .
believe in your soul,
you are strong after all.
You have to take a deep breath,
with potential to conquer everything.
your stubborn heart always wins,
soon dreams to be true and obtain new things

****

To My Papa

Vandana Kumari,
D.El.Ed. 2nd year

I am so happy for being,
Your daughter and friend,
A few words of love
I'd just like to send.

You have been a super papa,
That I truly adore,
Always positively encouraged
me a life to explore.

You would always notice,
When I was better or down,
Knew how to overcome mistakes,
How to profile career by own,

You genuinely cared,
With love and true concern,
Taught lessons of life,
That I must and ought to learn,

For a girl like me,
You're like a million of gifts
by a mere sight of you
My sprit gets unlimited lifts.

****

The Nature is Beautiful

Sharma Pharheen
B.Ed. 2nd Year, Sec –D (2018-20)

Once I was sad sitting alone,
sudden I saw a bird came around,
she sat on the roof and ate her food,
Sitting on the bed I thought,
why am I sad today?
Is this bird not so cute?

I then opened my window pane,
outside saw the beautiful clouds,
Again I thought, why am I sad today?
Is this cloud not beautiful?
Are they going to fall as a rain today
is this world not so wonderful?

Thinking again I opened my door,
Then I saw the beautiful park,
Again I thought, why am I sad today?
Is this green grasses not so soft?
Are these going to grow more today
is this nature not so wonderful?

Then I wondered there's nothing to be sad,
When I saw the nature very closely,

I found myself relaxed and looked cheerfull,
then I thought why I was sad today ?
there's many things to be happy today.
Is this nature not so beautiful?

****

She Walks in Beauty

Hema Lakshmani,
D. El. Ed.First year

She walks in beauty, like the night,
of cloudless climes and starry skies,
And all that's the best of dark and bright,
meet in all aspects in her eyes,
Thus mellowed to that tender light,
which heaven to gaudy day denies.

One shade the more, one ray the less,
Had halp inpaired the nameless grace.
Which waves in every raven tress?
Or softly lighten's over her face,
Where thoughts screenly sweet express,
how pure, how dear their dwelling- place.
And on that cheek and over that brow,
so soft, so calm, yet eloquent,
The Smiles that win, the tints that glow,
But tell of days in goddess spent,
A mind at peace with all below,
A heart whose love is very innocent!

‘’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’’

Vibrant India

Naman Basu
B.Ed, 2nd Sem,Sec-B,2020

I'm India, **75** years old,
young, vibrant and bold.
prosperity, diversity,fraternity thrive in me.
Holy rivers deep oceans, high mountains adorn me .

I am no more a country of snake charmer,
my people bring fame looking me from all corner.
that's Industry ,Technology,Agriculture and Education,

I am happily moving ahead
my glorious past is never to said ,
in space technology and IT,
my people are not behind

who say now frailty, they name me as woman!
Look what Sakshi , Sindhu, Deepa did in common.
The heaven head on Earth- the Kashmir is my crown,
all my people love it as their own.

Let peace provide everywhere,
remove poverty and no disease any where
let almighty bless us all and every where!

———————

Be the Best One

Akshita Arya
B.Ed. 2nd year

One tree can start a forest.
One bird can herald spring.
One smile can be a friendship.
One hand can lift a soul,
One star can guide a ship at sea,
One word can frame the goal,
One vote can change the nation.
One sunbeam can light a room.
One candle can wipe out darkness.
One laugh can conquer gloom,
One hope can rise ours sprites.
One touch can show you care,
One voice can wakeup everybody.
One life can make the difference.

So "Be the Best One"

****

Father

Bharti
B.Ed.(2nd yr)

Father is someone who may not be a king,
but he treats his children as a prince and princess,
He walks in the Sun just to provide shelter to his family,
Idol for their sons, and friend of their daughters,
Someone who gives you money without even thinking twice,
where he saves for his untold dreams,
Holding his fingers you learned how to walk,
and learnt bike riding with inspiritional talk,
he hold behind the cycle and won't let you fall,
we played with him holding his hand "Merry Go Round",
He was making cry like a big band sound.
We should respect and worship always as the God.
Always his blessings will help us, no trouble at all.

****

Friendship

Bindu Kumari
B.Ed.Sec –C

A true friend one who shares & lives together,
A true friend who never leaves us apart,

A true friend always helps unconditionally,
You are lucky if you stay long friendly,
You are lucky if they are loyal,
You are blessed if you find a friend truly.
You don't need any tension,
If these types of friends continue good relation.

****

Art

Manila Choudhary
B.Ed

Art that holds you like a strong canal which controls water,
Art that nurtures you like a mother who cares for daughter and will light you up.

Art that grow wider and glow brighter,
your devotion, your motion, your tiny and huge potion ,
to bring a seedling to a gigantic tree as per notion.

Art that will hold you tight and enhance you like a lotion,
Art that makes you sharper and pours wisdom to make master.

Art that values your life and guides you to fly higher and higher,
That art will make you bold as a wine is effective when old.

,,

Art by Rekha kumari, B.Ed.2020

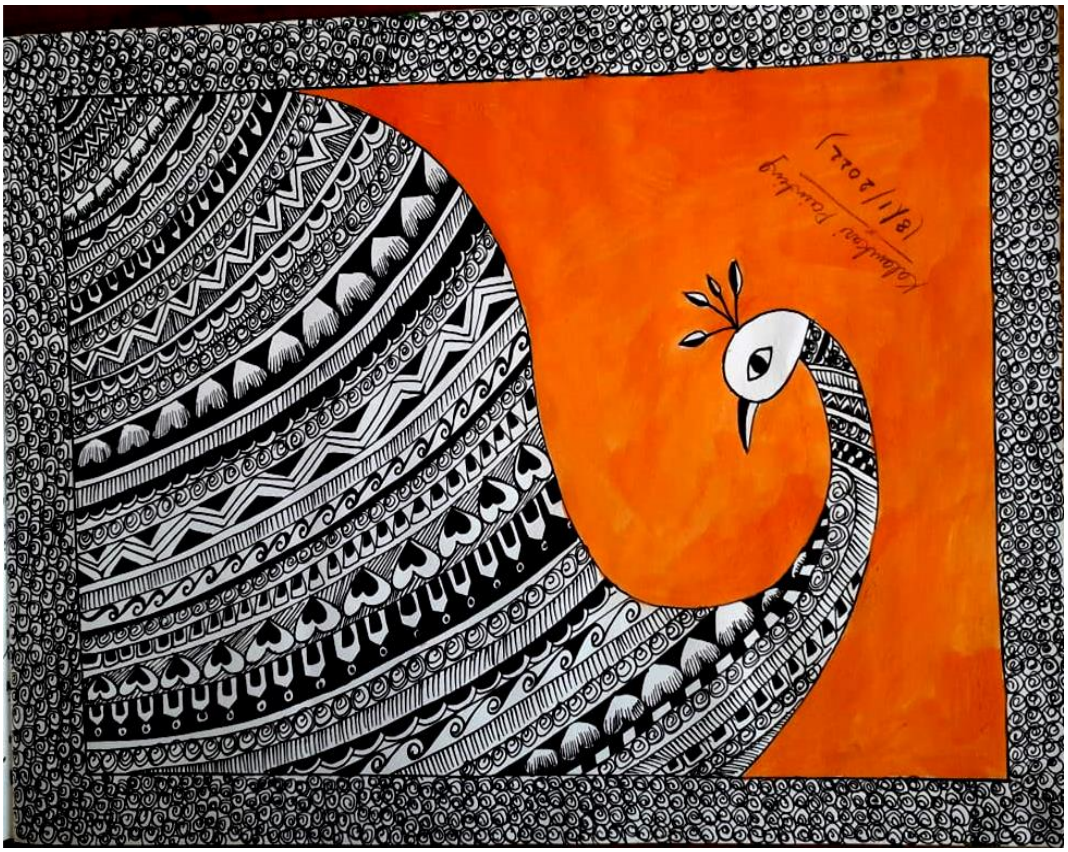

Art by Anu Kumari. B.Ed. 2020

Thoughts

Kritika Harsh Anand
B.Ed. 2nd year,Sec- D.(2018-20)

- **According to Swami Vivekananda**

  ‘’Meditation can turnfools into stages but unfortunately fools never meditate’’

- ‘**Honesty,**

  ‘Hope’‘Happiness’ and‘Home’ will help you to sick, Hallmark’to your life?

- Sometime Life is like a Video Game, You Have to Upgrade Yourself for the next Level

- Peaceful mind, Soulful music, Mesmerizing smell of perfume, Delicious taste of food, Colors of nature are enough to keep you alive.

- ’Smiling” it makes you strong from every aspect,
  it makes someone look more beautiful
  so, keep smiling always…

****

Sacrifice

Namita Kumari
B.Ed,Session-2020-22

To achieve the abode of something in the real sense is only by sacrifice otherwise its worthless. ‘’The key whole of sacrifice fences its roots everywhere at every juncture of life as if tests out true potential.

I just imparted the traits of it as the secrets disguised to fool you all. Naives wont understand but you will reconsider what I am saying because of magician never shares his tricks unless the person he addresses is also a magician so listen carefully everyone lives for themselves, try not to be the one,try to be unknown
but still well known sometime a sacrifice may not count, maybe useless but guess what?
You learned that art of selflessly offering yourself for the greater good.

****

Importance of Education

Mona Sen
B.Ed. 2nd Sem,Sec-D.

‘’A man without education is like a building without foundation.”

Education is very important to move forward in life for everyone and achieve success. It helps in building confidences in us as well as building our personality. Good education serves many purposes in life such as; improve social well being, economical progress, make us aware of social issues and most important is, success of the nation. It developes a meaningful out look of a life. Education helps in the development and innovation of technology. It comprises good thought in human being.

The importance of education has increased greatly in today’s society. There are many uses of education but it needs to be given a new destination. Education should be such that a person can get acquainted with his surrounding, Education is very necessary for the bright future for all of us. We can achive anything by using this means of education in our life,

****

Women Empowerment

Shama Pharheen
B.Ed, (Sec-D)2nd Year.

India is known as golden birds that men and women are the wings of that bird, It is impossible for a bird to fly with one wing.Therefore there are equality in both male & female. According to my topic women empowerment refers to increasing the spiritual, political, Social, educational gender or economic strength of individuals and communities of women.

According to survey, the female population makes almost half of the world's population. If we talk about India, we are at 191 positions out of 201 countries in terms of female to male ratio. According to United Nations, see ratio India has 930 females per 1000 males.Women must have rights to equality including freedom and voice, movement and night over their own bodies even ancient cultures worshipped women in different Avatars. Right from Vedic era, women enjoyed equal status with men in all aspects of life. But today one can not deny the facts that the majority of countries women do not feel safe alone on the streets.Their health & hygiene, education, nutrition, gender, equality social life participation and national building contribution status scores way below Indian men.

Now come to facts about women in India.Almost total population of women in India 1210. 2million (almost equal to combined population of USA,Indonesia, Brazil, Pakistan, Bangladesh and Japan put together)

- Women population – 586.5 million (48.5 %)
- Sex Ratio – 943/1000 men
- Child Sex Ratio 919/1000
- In India baby girl child age between 1.5 yrs is 75% more likely die than the boy child.
- A woman is raped once in every 20 min and 10% of all crimes are reported to be of
- Only 29% of the national work force.
- About 66% of the female population in rural area is un-utilized. This is mainly due to exiting social customs.

<u>Most Important reason, why we need women empowerment</u>

- Gender Discrimination
- Women Education
- Female Infanticide
- Dowry, Marriage in same caste and child marriage.
- Atrocities on women : raped, kicked, killed, subdued, humiliate, almost daily

Women are despised of

- Decision making power
- Freedom of movement
- Access of education
- Exposure to media
- Domestic violence.

At least I want to conclude that women empowerment is all about the strength of women and every woman must get her right to line them with all the freedom,

The Importance of Drinking Water

Rajni Kumari
B.Ed 2nd Year .Sec- D

Every body knows that how water is very important for our lifes.

We need water for cooking cleaning & agricultur. How ever it's most importantfor drinking. The Drinking water must be pure. If it is not so, it may cause diseases and death. So there many steps by which we can purify our water.

The simplest way is to boil the water before drinking. In the modern days many water purifiers are also available in market but these are costly and everyone can not afford them.

It's the duty of the government to provide pure drinking water to the people. The main source of such water is from rain. The crises grow when there is less or no rain fall. That is why the conservation of rain water has become very important.

We must do everything possible to preserv drinking water in most priority.

****

Corona Virus

Nini Jha, B.Ed 2nd Sem.

Introduction:

A novel coronavirus designated as 2019 n-cov,emerged in wehan China at the end of 2019 .As a January 24, 2020, At least 830 cases had been diagnosed in nine countries : China, Thailand, Japan, South Korea, Singapore, Vietnam, Taiwan, Nepal and the United States although many details of the emergence of this virus-

Such as its origin and its ability to spared among humans remain unknown an increasing number of cases appear to have resulted from human-to-human transmission.

Give the severe acute respiratory syndrome corona virus-(SARS-Cov) outbreak in 2002,and Middle East respiratory syndrome corona virus (MERS- COV) outbreak in 2012, 2019-ncov is the third corona virus to emerge in human population in the past two decades has put the global public health institutions on high alert .

Types

There are mainly two types which are as 1, 229E (Alfa corona virus) and 2, NL63 (Alfa corona virus)

Transmission:-

Limited research is available on how Hcov spreads from one person to the next; Researchers believe that the viruses transmit via Fluids in the respiratorysystem, such as mucus.

Coronavirus can spread in the following ways.

It spread through touching Sneezing without covering mouth shaking hand with infected person the National Institute of Health (NIH) suggest that the several group of people have the highest risk of developing complications due to covid-19.

These groups include Young children, People aged 65 years over older and Women who are pregnant. Coronavirus kills in fact that most people at some time during their lifetime.

Common symptoms include

1. Fever
2. Breathlessness
3. cough
4. it may take 2-14 days for a person to notice symptoms after infection.

Conclusion:-

Over the past 50 years the emergence of many different corona virus that cause wide variety of human and veterinary diseases had occurred.It is likely that these virus will have in involve and causes both human and veterinary outbreak owing to their ability to recombine , mutate and infect multiple species and cell type.

Finally defining the mechanism of how corona viruscause disease and understanding the host immune pathological response will significantly improve our ability to design vaccines and reduce disease burden.

****

Covid 19 : Impact on Education

Saloni Singh.B.Ed.

Coronavirus affect the education system in the world Schools, Colleges and Universities are closure to control the spraed of coronavirus school closures brings difficulties for students' teachers and parents UNESCO reported that our 1.5 billion students in 195 countries are out of school in the world due to school closer.
As (Pujari 2020) Covid-19 effects all over the education system examination and evaluation.
Though schools are closed and students are attending their classes through online class room where as there are lots of students who did not have own the resources to attend the online classes.Teachers who are all expert in blackboard, chalk, books and classroom teaching are really new to digital teaching.

But they adopt this new method of teaching easily This Pandemic has not only affected the student but also the low budget Institutions and school resulting in closed down.
We are ready for this pandemic but it came so we have to go through this together and we have to update and work on the infrastructure and should think of a way to undertake the situation and providing education to every child in the pandemic.

****

Art by Sheetal Kumari, B.Ed.-2020

Santhal Tribe Traditional Jewellery

Dular Dorothy Tudu
Section- D,B,Ed.

Tribal or indigenous people have one more unique feature in their culture is dressing or attine. There is a lot of santhal jewelry but these are vanished today in running modern fashions. Here I would only give brief introduction for few of them.

1. Pan Kanta | | Seed Sulaic (Hair Bun)
   This is worm by women its made of silver and it applied to the to the hair bun..
2. Sud pasa (For side bun)
   it also made of siver and it is applied over the hair bun.
3. Phuli (For Nose)
   it is worn in the nose. it is made of both gold and silver..
4. Pagra (For ear)
   it is worn in the ear. its also made of both gold and silver.
5. Motihar mala (for neck)
   This is worn by santal community women in the neck. its made of silver and its in many layers.
6. Baju (For arm)
   this is worn by women in arm and its made of silver.
7. Bala Sakam (For hand)
   its one kind of Bangle which is worn in hand. its also made of silver,
8. Merhet Sakam (For married women)

Merhet Sakam is a kind of bangle which has very significant role in the santhal community. It is worn by married women only in left hand.

It's supposed to be removed by women when she becomes widow. And in usual day women do not put unrealism on their partitium head and so it become difficult to find out weather she is married or not but she merhet selcum on women hand can easily differentiate that she is married .

****

thank
you!